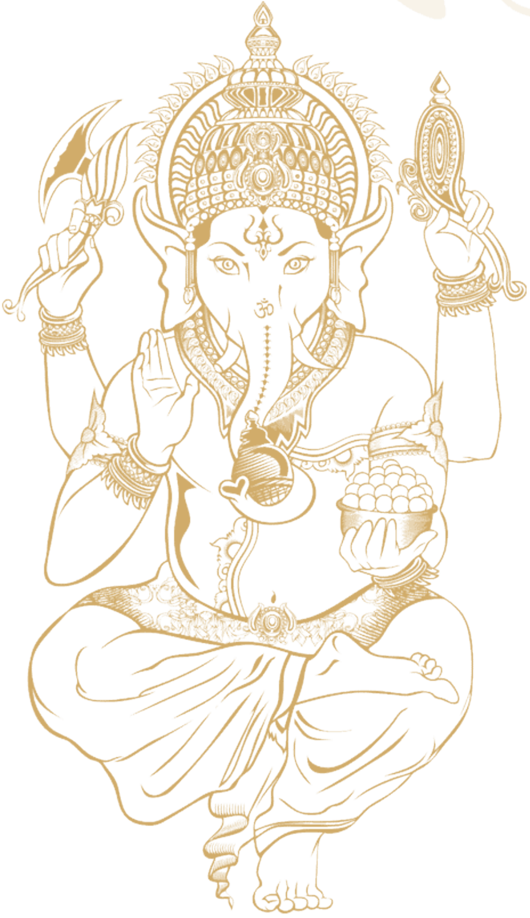

Dipak

24 Dec 1988

01:15 PM

Haora

Model: web-freekundliweb

Order No: 121574005

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **24/12/1988**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **13:15:00 घंटे**
इष्ट	: 17:32:11 घटी
स्थान	: **Haora**
राज्य	: West Bengal
देश	: India

अक्षांश	: 22:36:00 उत्तर
रेखांश	: 88:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:23:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 13:38:12 घंटे
वेलान्तर	: 00:00:22 घंटे
साम्पातिक काल	: 19:50:25 घंटे
सूर्योदय	: 06:14:07 घंटे
सूर्यास्त	: 16:58:53 घंटे
दिनमान	: 10:44:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 09:01:21 धनु
लग्न के अंश	: 11:53:24 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मेष - मंगल
राशि-स्वामी	: **मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: ब्रह्म
करण	: तैतिल
गण	: देव
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	11:53:24	438:27:40	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
सूर्य			धनु	09:01:21	01:01:06	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	22:18:11	12:59:05	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मीन	22:41:39	00:28:54	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
बुध			धनु	21:48:55	01:34:28	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		वृष	03:36:42	00:05:17	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	14:29:52	01:14:54	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि		अ	धनु	10:58:51	00:07:06	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:11:31	00:09:27	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:11:31	00:09:27	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:35:13	00:03:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	15:55:36	00:02:16	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	20:38:09	00:01:47	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			मक	01:55:32	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:18

लग्न-चलित

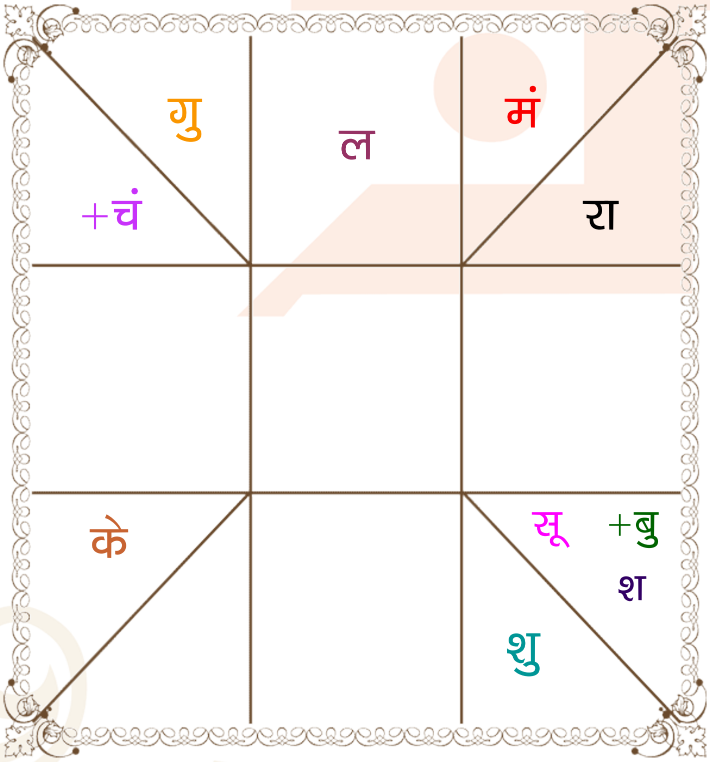

चन्द्र कुंडली

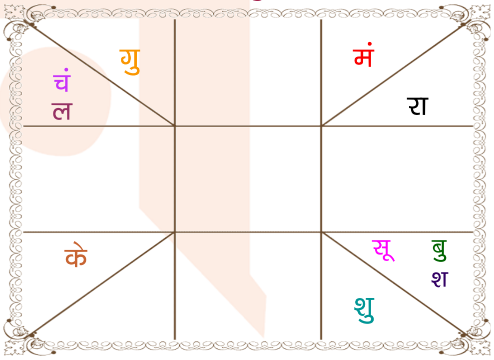

नवमांश कुंडली

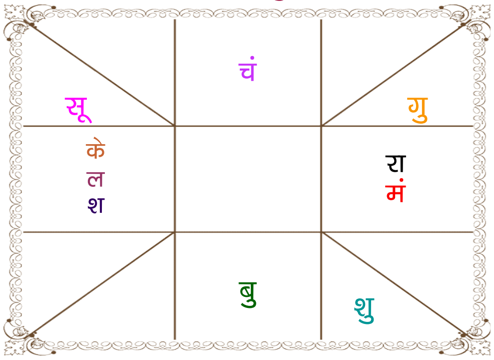

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 2 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/12/1988		21/03/2002		20/03/2021		21/03/2038		20/03/2045	
21/03/2002		20/03/2021		21/03/2038		20/03/2045		20/03/2065	
	24/12/1988	शनि	23/03/2005	बुध	17/08/2023	केतु	17/08/2038	शुक्र	20/07/2048
शनि	19/11/1990	बुध	02/12/2007	केतु	13/08/2024	शुक्र	17/10/2039	सूर्य	20/07/2049
बुध	24/02/1993	केतु	09/01/2009	शुक्र	14/06/2027	सूर्य	22/02/2040	चंद्र	21/03/2051
केतु	31/01/1994	शुक्र	11/03/2012	सूर्य	20/04/2028	चंद्र	22/09/2040	मंगल	20/05/2052
शुक्र	01/10/1996	सूर्य	21/02/2013	चंद्र	19/09/2029	मंगल	18/02/2041	राहु	21/05/2055
सूर्य	20/07/1997	चंद्र	22/09/2014	मंगल	16/09/2030	राहु	08/03/2042	गुरु	19/01/2058
चंद्र	19/11/1998	मंगल	01/11/2015	राहु	05/04/2033	गुरु	12/02/2043	शनि	20/03/2061
मंगल	26/10/1999	राहु	07/09/2018	गुरु	12/07/2035	शनि	23/03/2044	बुध	19/01/2064
राहु	21/03/2002	गुरु	20/03/2021	शनि	21/03/2038	बुध	20/03/2045	केतु	20/03/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/03/2065		21/03/2071		20/03/2081		20/03/2088		22/03/2106	
21/03/2071		20/03/2081		20/03/2088		22/03/2106		00/00/0000	
सूर्य	08/07/2065	चंद्र	19/01/2072	मंगल	17/08/2081	राहु	01/12/2090	गुरु	09/05/2108
चंद्र	07/01/2066	मंगल	19/08/2072	राहु	04/09/2082	गुरु	26/04/2093	शनि	25/12/2108
मंगल	14/05/2066	राहु	18/02/2074	गुरु	11/08/2083	शनि	02/03/2096		00/00/0000
राहु	08/04/2067	गुरु	20/06/2075	शनि	19/09/2084	बुध	19/09/2098		00/00/0000
गुरु	25/01/2068	शनि	19/01/2077	बुध	16/09/2085	केतु	08/10/2099		00/00/0000
शनि	06/01/2069	बुध	20/06/2078	केतु	12/02/2086	शुक्र	09/10/2102		00/00/0000
बुध	13/11/2069	केतु	19/01/2079	शुक्र	14/04/2087	सूर्य	02/09/2103		00/00/0000
केतु	21/03/2070	शुक्र	19/09/2080	सूर्य	20/08/2087	चंद्र	03/03/2105		00/00/0000
शुक्र	21/03/2071	सूर्य	20/03/2081	चंद्र	20/03/2088	मंगल	22/03/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 3 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगे। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाले, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाले एक अच्छे भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति के प्राणी हैं। आप अकेले अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करते हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेते हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकते हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेते है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देते हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान है। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेते हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेते हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहते हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकते हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीध्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगे क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव के सौम्य पुरुष हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहते हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगे। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगे। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगा। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकते हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्धटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती है। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का सेवन महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग का त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।